

आखिर बॉलीवुडिया मूर्ख कब तक करते रहेंगे सनातन धर्म से खिलवाड़



राकेश सिंह

क्रिएटिव फ्रीडम के नाम पर रामायण के किरदारों का उपहास उड़ाया राम को पहना दी खड़ाऊं की जगह चप्पल, हनुमान को चमड़े का वस्त्र रावण को बना दिया खिलजी और हनुमान को मुगल शासक जैसा

बॉलीवुड एक नवी फिल्म लेकर आ रहा है। फिल्म का नाम है आदिपुरुष। इस फिल्म का टीज़ रिलीज हो चुका है। लोगों की प्रतिक्रियाएं भी आनी शुरू हो चुकी हैं। प्रतिक्रिया मिली-जुली हो, तो समझ आती है, लेकिन अगर बहुमत में प्रतिक्रियाएं नकारात्मक हों, तो समझ लेना चाहिए कि कहीं तो बड़ा ब्लैंड हुआ है। फिल्म आदिपुरुष के टीज़ को देख कर यही लगता है कि मह महाकाव्य रामायण का फिल्मीकरण देख रहे हैं। इस फिल्म में जहां बाहुबली फिल्म के नायक प्रभास ने भगवान राम की भूमिका निभायी है, वही दूसरी तरफ सैफ अली खान रावण की भूमिका में है। सीता की भूमिका में कृति सेनन है, तो हनुमान की भूमिका देवदत्त गजानन नागे निभा रहे हैं। सबसे चिंतनीय बात यह है कि जहां देश का बच्चा-बच्चा भगवान राम, माता सीता, महाबली हनुमान और रावण की वेश-भूषा से भलीभांति परिवर्तित हैं, वही इस फिल्म में किरदारों की वेशभूषा ग्रंथों को हिसाब से मेल नहीं खाता। ऐसा नहीं है कि इस फिल्म में किरदार निभा रहे सभी पात्र हमारे रामायण के मुख्य किरदारों से परिवर्तित हों, लेकिन टीज़ को देख कर यही अनुकूल लगाया जा सकता है कि रामायण के किरदारों के साथ छेड़छाड़ की

गयी है। इतनी क्रिएटिव लिबर्टी को कहीं से भी सही नहीं ठहराया जा सकता है। क्योंकि यह हमारी अनेकों पीढ़ी के लिए धाराकृति है। उनके मन फिल्म में किरदारों के लिए धाराकृति है। उनके मन फिल्म के नायक प्रभास ने भगवान राम की भूमिका निभायी है, वही दूसरी तरफ सैफ अली खान रावण की भूमिका में है। सीता की भूमिका में कृति सेनन है, तो हनुमान की भूमिका देवदत्त गजानन नागे निभा रहे हैं। सबसे चिंतनीय बात यह है कि जहां देश का बच्चा-बच्चा भगवान राम, माता सीता, महाबली हनुमान और रावण की वेश-भूषा से भलीभांति परिवर्तित हैं, वही इस फिल्म में किरदारों की वेशभूषा ग्रंथों को हिसाब से मेल नहीं खाता। ऐसा नहीं है कि इस फिल्म में किरदार निभा रहे सभी पात्र हमारे रामायण के मुख्य किरदारों से परिवर्तित हों, लेकिन टीज़ को देख कर यही अनुकूल लगाया जा सकता है कि रामायण के किरदारों के साथ छेड़छाड़ की



आरथ का सैलाब

मां की महिना अपरंपरा है। दुर्गा पूजा के अवसर पर राजधानी रांची में आस्था

2022 में यहां सप्तमी के दिन से भक्तों का जो ऐला शुरू हुआ, वह दर्शनी के का ज्वार उगड़ पड़ा। एक अनुमान के मुताबिक सप्तमी से लेकर दर्शनी तक हर दिन लगभग तीन लाख लोगों ने रांची के विभिन्न पूजा पंडालों में मां के पर्वत बन गया। आम से लेकर खास तक, बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक सभी की दर्शनी किये। इन्हीं में से एक पंडाल या अल्टर एकका घोप पर चंद्रशेखर घटना के बाद कोई भक्त आना नहीं चाहता था। लेकिन हाल के वर्षों में अगुवाई में चंद्रशेखर आजाद वर्लब की टीम ने भक्तों की सेवा में अपना सब

2022 में यहां सप्तमी के दिन तक नहीं थमा। 2022 में यह पूजा पंडाल रांची की सेलिब्रेटी की पहली दिन तक नहीं थमा। 2022 में यह पूजा पंडाल रांची की सेलिब्रेटी की पहली दिन तक नहीं थमा। आम से लेकर खास तक, बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक सभी की उपरिकृति यहां देखी गयी। यह दो कारणों से हुआ। एक तो यहां जगह बहुत आजाद वर्लब का। 1993 में शान सात बजे यहां हुए बन विफ्फोट की एक बड़ी थी, शहर के बीचोंबीच यह दियत था और दूसरे समाजसेवी दर्शनी सिंह घटना के बाद कोई भक्त आना नहीं चाहता था। लेकिन हाल के वर्षों में अगुवाई में चंद्रशेखर आजाद वर्लब की टीम ने भक्तों की सेवा में अपना सब

कुछ न्योछवर कर दिया था। लगभग यहां गान-सम्मान पा रहे थे।



